ओपीएफ-ई-पत्रिका

आयुध पैराशूट निर्माणी, कानपुर

Ordnance Parachute Factory, Kanpur

ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड की इकाई/A UNIT OF GLIDERS INDIA LTD

नेपियर रोड/NAPIER ROAD,कैन्ट/CANTT, कानपुर/KANPUR-208004

भारत सरकार का उपक्रम/GOVT. OF INDIA ENTERPRISE, रक्षा मंत्रालय/MINISTRY OF DEFENCE

अंक-03 | 01 | जनवरी 2023

नव वर्ष के उपलक्ष्य पर महाप्रबंधक महोदय का संदेश

एम.सी.बालासुब्रमणियम,
महाप्रबंधक/ओपीएफ

मैं, नववर्ष 2024 के अवसर पर ओपीएफ एवं संबद्ध संस्थापनाओं के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिजनों को शुभकामना व्यक्त करता हूं । आप सभी इस नये वर्ष में प्रगति एवं उन्नति के नये आयाम (New Dimension) स्थापित करते रहें, इस हेतु मेरी ओर से ढ़ेर सारी शुभकामनायें ।

मैं निर्माणी स्तर पर, औद्योगिक परिवेश (IR Mechanism) को मजबूत एवं सुन्दर बनाने के लेकर निरन्तर प्रयासरत हूं और इस दिशा में ठोस एवं सार्थक प्रयास जारी रहेंगे । अभी हाल में सभी कर्मचारियों को ओटी एरियर देकर उनकी लंबित मांगों को नियमारूप पूर्ण करने का सामूहिक प्रयास किया है ।

आज हमारा संगठन वैश्विक क्षितिज (Global Horizon) पर निरंतर नित नई ऊचाइयां प्राप्त कर रहा है । वैश्विक ब्रांडिग (Global Branding) के सुंदर प्रतिफल भी हमें मिलने शुरू हो गए हैं । इसलिए अपने विशिष्ट उत्पादों (Specific Product) के बल पर हमें अपना सर्वोत्तम (The Best) हमेशा देते रहना है ।

इसके लिए अपने कार्यों एवं दायित्वों को पूर्ण कुशलता एवं दक्षता के साथ निभाने को लेकर कृत संकल्पित रहना है । 'आत्मनिर्भर नीति' और 'मेक-इन-इण्डिया' के तहत हमने ड्रोन रेस्क्यू पैराशूट, स्पीड रेसिस्टेंट पैराशूट एवं वाटर प्रूफ मल्टी परपज रेन पंचो कन्वर्टेबल एज बियोएक आदि नये उत्पाद विकसित किये हैं । नये उत्पाद विकसित किये हैं । नये उत्पादों के नवनिर्माण में हमारे प्रयास अविरल जारी रहेंगे । आर.एंड.डी. प्रोजेक्ट तहत, आईएल-76 एवं सी-16 जैसे वायुयानों के लिए हमने पैराट्रूपिंग पैराशूट पीटीए जी-2 (Parachute Tactical Assault Gajraj) एवं मिलिट्री काम्बेट पैराशूट सिस्टम (MCPS) को नवविकसित (New Development) करने में सार्थक सफलता प्राप्त की है । हम आर.एंड.डी. की दिशा में इस प्रकार के अभिनव प्रयोग जारी रखेंगे ।

हमारे अतिविशिष्ट पी 7 हैवी ड्राप पैराशूट सिस्टम को भारतीय सेना ने गुणवत्ता और उत्कृष्टता मानकों पर खरा पाया है । भारतीय सेना ने इस पैराशूट के लिए बल्क प्रोडक्शन क्लीयरेंन्स प्रदान किया है । पैराशूट के विनिर्माणी के क्षेत्र में ख्यातिलब्ध इस निर्माणी के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है ।

ओपीएफ का नाम अपनी सर्वोत्तम गुणवत्ता (Best Quality) और समय से आपूर्ति (Timely Delivery) को लेकर हमेशा सर्वोपरि रहा है । देश की सैन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है Air force, Army Navy तथा MHA हमारे Preferred Supply Partner हैं । ओपीएफ को एक नई रचनात्मक उपलब्धि हासिल हुई है । 28 दिसंबर 2023 को केन्द्र सरकार की राजभाषा नीति निर्देशों के विशिष्ट अनुपालन एवं उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए विशिष्ट सम्मान से नवाजा गया है । यह पुरस्कार गृहमंत्रालय द्वारा जोधपुर (राजस्थान) में आयोजित उत्तरी क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन-2023 के दौरान प्रदान किया गया है, जो निश्चित रूप से हम सभी के लिए गौरव की बात है ।

मौजूदा वित्तीय वर्ष में केवल तीन माह बचे हैं और हमारे पास लक्ष्य काफी ज्यादा है इसलिए हमे पूर्ण समर्पण एवं मनोयोग के साथ अपने उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करना है । इसके लिए आप सभी पूरी टीम भावना के साथ लग जायें, जिससे हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें । हमें पहले से भी अधिक निरंतर प्रवाहमान उत्पादन लक्ष्यों के साथ एवं स्वस्थ रचनात्मक वातावरण

अपने लक्ष्यों को बड़ा सोचो और उन्हें पाने के लिए दृढ़ संकल्प रहो.. नेल्सन मंडेला

****

को सृजित करके नए आयाम स्थापित करने हैं । तभी हम बदलते वैश्विक परिवेश में अपने को मजबूती के साथ स्थापित करते रहेंगे ।

इन्हीं शुभ संकल्पों के साथ आप सभी को नव वर्ष 2024 की मेरी ओर से पुनः ढेर सारी शुभकामनाएं

नव वर्ष समारोह 2024

निर्माणी में नूतन वर्ष समारोह श्री एम.सी.बालासुब्रमणियम, ओपीएफ/कानपुर के अध्यक्षता में निर्माणी के वरिष्ठ अधिकारियों एवं सम्बद्ध संस्थापनाओं के अधिकारियों, अनुभागाध्यक्षों, जेसीएम तृतीय एवं चतुर्थ, कार्यसमिति एवं कैंटीन प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं यूनियन एवं एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया । महाप्रबंधक महोदय ने नववर्ष के अवसर पर निर्माणी एवं संबद्ध संस्थापनाओं के सभी कार्मिकों एवं उनके परिवार जनों को नववर्ष की बधाई दी एवं विश्वास व्यक्त किया कि हम सभी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे जिससे की हमारी निर्माणी में गुणवत्ता पूर्ण उत्पादों का उत्पादन निर्धारित लक्ष्यों के साथ होता रहे ।

नव वर्ष समारोह के विविध दृश्य

दीर्घ कालीन सेवा पदक (Long Service Medal) से निर्माणी के कार्मिक पुरस्कृत

दिनांक 25.01.2024 को गणतंत्र दिवस के पूर्व संध्या पर महाप्रबंधक महोदय ने निर्माणी के राजपत्रित ग्रुप ए व ग्रुप बी अधिकारियों, औद्योगिक एवं अनौद्योगिक कर्मचारियों ने जो दिनांक 01.01.2024 को 25 वर्ष अथवा उससे अधिक सेवा पूर्ण कर ली है उन्हें महाप्रबंधक महोदय द्वारा दीर्घ कालीन सेवा पदक (Long Service Medal) से नवाजा गया । समारोह का आयोजन महाप्रबंधक महोदय की अध्यक्षता में निर्माणी के औद्योगिक कैंटीन में आयोजित की गई । कार्यक्रम में निर्माणी के वरिष्ठ अधिकारियों एवं सम्बद्ध संस्थापनाओं के अधिकारियों, अनुभागाध्यक्षों, जेसीएफ तृतीय एवं चतुर्थ, कार्यसमिति एवं कैंटीन प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं यूनियन एवं एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों की उपस्थित रहे ।

निर्माणी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेवा पदक प्रदान करते हुए महाप्रबंधक महोदय

कुरीति के अधीन होता कायरता है, उसका विरोध करना पुरूषार्थ है .. महात्मा गांधी

****

गणतंत्र दिवस पर महाप्रबंधक महोदय का संदेश

मैं, गणतंत्र दिवस 2024 के उपलक्ष्य पर आयुध पैराशूट निर्माणी, कानपुर तथा उनके संबद्ध संस्थापनाओं के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके सभी परिजनों को शुभकामनाएं व्यक्त करता हुँ ।

आज के इस पावन दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी के पहले जैसे ही पूर्ण सहयोग के साथ कर्तव्यनिष्ठा एवं पूरी दक्षता के साथ निरंतर प्रगति के पथ गतिशील रहने का आह्वान करते हैं । मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक/जीआईएल के दूरदर्शी नेतृत्व एवं आप सबके सतत सहयोग के कारण हम हम उत्पादन की ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहे हैं ।

आने वाले तीन माह हम सभी के लिए बहुत खास हैं, अतः आप सभी कर्मचारियों स्टाफ, अनुभाग प्रमुखों, अधिकारियों, जेसीएम-कार्यसमिति सदस्यों, यूनियन एवं एसोसिएशनों के पदाधिकारियों के अथक प्रयास एवं पूर्ण समर्पण से हम उन ऊंचाइयों को जरूर अवश्य प्राप्त कर लेंगे, ऐसा मुझे विश्वास है। हमारा संगठन निरंतर नई ऊंचाइयों को अवश्य प्राप्त कर रहा है, जिसका पूरा श्रेय आप सभी के कार्यबल एवं समर्पण को जाता है ।

मैं एक बार फिर, अपने समस्त कर्मचारियों, अधिकारियों, जेसीएम, कार्यसमिति एवं यूनियन, एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों का आह्वान करता हूँ कि इस समय निर्माणी की उत्पादकता को नई ऊचाइयां प्रदान करने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें । मुझे पूरा विश्वास है कि हम सब एक साथ मिलकर न केवल भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे, अपितु नये उत्पादन लक्ष्यों को भी प्राप्त करते रहेंगे ।

जय हिंद ।

निर्माणी में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

निर्माणी में 75 वां गणतंत्र दिवस समारोह दिनांक 26.01.2024 को महाप्रबंधक श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम की अध्यक्षता में निर्माणी एवं संबंद्ध संस्थापनाओं के अधिकारियों, अनुभागाध्यक्षों, जेसीएम तृतीय एवं जेसीएम चतुर्थ, कार्य समिति एवं कैंटीन प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं यूनियन एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों तथा कर्मचारियों की उपस्थिति में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया । महाप्रबंधक महोदय द्वारा प्रातः 09.00 बजे ध्वजारोहण किया । डीएससी के जवानों, दरवानों एवं फॉयर ब्रिगेड द्वारा मार्च पास्ट किया गया । महाप्रबंधक महोदय ने विभिन्न उत्पादों के उत्पादन विधि में उन्नति, उच्च-कोटि के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और उत्पादन-लक्ष्य की उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान हेतु संयुक्त महाप्रबंधक श्री सुभाशीष बैनर्जी को आउट स्टैंडिग लीडरशीप आवार्ड (Outstanding Leadership Award), कार्यप्रबंधक श्री अमर दीप कुमार

मानवता प्रकाश की वह नदी है जो सीमित से असीमित की ओर बढती है .. खलील जिब्रान

****

को बेस्ट मैनेजर अवॉर्ड (Best Manager Award) से संबंद्ध संस्थापनाओं के आरडीएक्यूए की पीएससीओ श्री समदर्शी श्रीवास्तव को आउट स्टैंडिग लीडरशीप अवॉर्ड (Out Standing Leadership Award) से , जीएमएस अनुभाग में कार्यरत कनिष्ठ कार्य प्रबंधक श्री सुनील सिंह को एम्लॉय एक्सिलेंस अवॉर्ड (Employee Excellence Award) से एवं पीएंडपी अनुभाग के कनिष्ठ कार्य प्रबंधक श्री हिंमाँशू पाण्डेय को यंग विज़नरी अवॉर्ड (Young Visionary Award) के विशेष सम्मानों से सम्मानों से सम्मानित किया ।

विशेष सम्मानों से सम्मानित निर्माणी के अधिकारीगण

उपरोक्त सम्मानित पुरस्कारों के अतिरिक्त महाप्रबंधक महोदय ने निर्माणी के अन्य अधिकारियों एवं कर्माचारियों को भी विविध उत्पादों के अत्पादन-विधि में उन्नति, उच्च कोटि के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और उत्पादन लक्ष्य की उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए कलाई घड़ी, कैश अवार्ड एवं ग्रुप अवार्डों से सम्मानित किया । प्रयास ग्लाइडर्स फाउन्डेशन की अध्यक्षा श्रीमती बी. सत्यप्रिया एवं फाउन्डेशन के अन्य सदस्यों द्वारा निर्माणी के कार्मिकों के बच्चों को उपहार वितरित किया गया । निर्माणी के स्वर्णिम इतिहास को संजोए प्रशासनिक भवन के समाने महाप्रबंधक श्री एम.सी.बालासुब्रमणियम द्वारा प्रगति पथ शिलालेख का अनावरण एवं उदघाटन किया गया । महाप्रबंधक महोदय के कर-कमलों द्वारा 500 केवीए डीजी सेट का भी उदघाटन किया गया । इस अवसर पर महाप्रबंधक महोदय ने अपने संदेश में कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि निर्माणी के सभी औद्योगिक कर्माचारी, स्टाफ सदस्य एवं अधिकारी आनुशासित होकर दिए गए कार्यों का श्रेष्ठ एवं उच्चतम मानदण्डों से संपादन करते हुए सशस्त्र सेनाओं एवं ग्राहकों को समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण उत्पादों का उत्पादन सुनिश्चित करेंगे, जिससे हमारी निर्माणी का सतत विकास होता रहे ।

गणतंत्र दिवस समारोह के अन्य दृश्य

जिम्मेदारियों से कतराना योग्यता की कमी जाहिर करना है ... सुकरात

***

प्रगति पथ शिलालेख का उदघाटन करते हुए महाप्रबंधक श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम एवं अन्य

500 केवीए डीजी सेट का उदघाटन करते हुए महाप्रबंधक श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम एवं अन्य

तकनीकी लेख

गुणवत्तापरक उत्पादों के उत्पादन में चुनौतियां एवं उसमें सुधार

गुणवत्ता किसी उत्पाद विशेष के लिए उतना ही महत्व रखता है जितना किसी किसी व्यक्ति के लिए शिक्षा । दूसरे शब्दों में गुणवत्ता की कसौटी किसी उत्पाद के लिए उतना ही आवश्यक है जितना किसी देश के विकास के लिए शिक्षा ।

गुणवत्ता का इतिहासः यहां इतिहास का आशय उस युग से जब मनुष्य के मस्तिष्क में गुणवत्ता का विचार आया । गुणवत्ता के सन्दर्भ में वर्ष 1789 बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी वर्ष फ्रांस की क्रांति से बाजारीकरण एवं उदारीकरण को बढ़ावा मिला था एवं अर्थशास्त्री एडम स्मिथ ने वैश्वीकरण की परिकल्पना प्रस्तुत की थी । वैश्वीकरण के आगमन के पश्चात जहां किसी उत्पाद को बनाने के पीछे उससे मिलने वाली लाभ रह गया । परिणाम यह हुआ कि बाजार में स्तरहीन उत्पादों की भरमार हो गई । वस्तुओं ने हमारे स्वास्थ्य को हानि पहुँचानी शुरू कर दी एवं उसके अन्य दूरगामी परिणाम भी उत्पन्न हुए । इसी के परिणाम स्वरूप वर्ष 1984 में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया एवं गुणवत्ता माह के आयोजन की शुरूआत की गई । हम गुणवत्ता में सुधार की बात कहते हैं तो यह प्रश्न उठता है कि क्यों आवश्यक है गुणवत्ता ? गुणवत्ता उपभोक्ताओं के वर्तमान एवं भविष्य के स्वास्थ्य लाभ का भी ध्यान रखती है । गुणवत्ता परक उत्पादों से जहां उपभोक्ता अधिकाधिक उत्पाद ख़रीदकर किसी कंपनी को लाभ पहुँचाती है वहीं कंपनी गुणवत्ता परक उत्पाद उन्हें उपलब्ध कराकर उन्हें स्वास्थ्य लाभ पहुंचाते हैं ।

अब प्रश्न उठता है कि हम गुणवत्ता में सुधार कैसे कर सकते हैं ? गुणवत्ता से उत्पादक एवं उपभोक्ता दोनों को लाभ पहुँचता है अतः गुणवत्ता परक उत्पादों के उत्पादन के लिए हमें निम्नलिखित उपाय करने की आवश्यकता हैः

1. उत्पाद हेतु कच्चा माल खरीदते समय ही किसी उत्पाद के गुणवत्तापूर्ण प्रक्रिया की शुरूआत होती है । अतः हमें कच्चा माल खरीदते समय विभिन्न मानकों से समझौता किए बगैर ही उसका चुनव करना चाहिए ।
2. हमें क्वाटिंटी की अपेक्षा क्वालिटी पर ध्यान देना चाहिए । हमें किसी भी उत्पाद को अधिकाधिक बनाने के साथ ही उसे गुणवत्तापरक बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ।
3. उत्पादों को बाजार में लाने के पूर्व उन्हें गुणवत्ता के विभिन्न मानको के अनुसार उनकी जांच करनी चाहिए ।
4. उत्पादों को उत्पादन में लगे सुपरवाईजर एवं अन्य वरिष्ठ स्पेशलिस्ट द्वारा समय-समय पर बनान वालों उत्पादों को आकस्मिक तौर उन्हें जांचना चाहिए ।
5. विभिन्न मानकों को उत्पादनशालाओं को स्पष्ट रूप में प्रदर्शित करवाना चाहिए । जिससे की उत्पादनरत कर्मचारी को हमेशा यह पता रहे कि उसका लक्ष्य किस प्रकार के उत्पादों के निर्माण का है । उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि उन्हें किन-किन मानकों का ध्यान रखना है ।

चिडचीडाहट से भरी मित्रता कभी-कभी उतनी ही बुरी होती जितनी खामोश शत्रुता ... एडमंडमर्क

****

6. किसी भी उत्पाद के उत्पादन में होने वाले सुधार एवं तकनीकी श्रेष्ठता की जानकारी उत्पादररत सभी कार्मिकों को समय-समय पर दी जानी चाहिए ।
7. उत्पादों के निरीक्षण दल में उत्पादों से संबंधित स्पेशलिस्ट के अतिरिक्त बाहर से अन्य प्रोफेशनल लोगों को शामिल करना चाहिए जिससे कि उत्पादों के गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जा सके ।

गुणवत्ता परक उत्पादों के उत्पादन में उत्पन्न चुनौतियाः गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद बनाने के पीछे लाभ के साथ-साथ इसे बनाए रखने की भी बहुत चुनौतियां हैं, जिसका विवरण नीचे दिया जा रहा है

(i) उत्पादन लक्ष्य पूरा करने में मानकों की अनदेखी करना ।
(ii) गैर-प्रशिक्षित कार्मिकों को उत्पादन कार्य में लगाना ।
(iii) कच्चे माल का गुणवत्ता पूर्ण न होना

श्री गौरव कुमार
एलडीसी/वीसी

(iv) उत्पादों का गलत भंडारण
(v) बाजारी प्रतिस्पर्धाओं के कारण मानकों से समझौता ।

उपरोक्त कथनों से स्पष्ट है कि उत्पादों की गुणवत्ता उसकी आत्मा है । लेकिन इसके बावजूद हम निरंतर सुधार की राह में भटक जाते हैं और कई बार परिस्थिति जन्य या जानबूझकर हमें मानकों की अवहेलना करते हैं । इस संदर्भ में किसी विद्वान ने सच ही कहा है कि " गुणवत्ता एक कार्य नहीं बल्की एक आदत है" निर्माणी के सन्दर्भ में हमें वही आदत बनानी है ।

राजभाषा चिंतन

तकनीक एवं राजभाषाः वर्तमान दशा एवं दिशा

एक आम जनमानस की यह अवधारणा है कि हिंदी में विज्ञान और तकनीकी विषयों की पढाई एवं अनुसंधान उतना आसान नहीं है जितना अंग्रेजी में । आज हम उस विदेशी भाषा को ज्ञान के भंडार के रूप में देखते हैं जिस भाषा का जिक्र हमारे संविधान के आठवीं अनुसूची में उल्लिखित 22 भाषाओं में कहीं है ही नहीं । इसके इतर हम सभी यह भी जनते हैं कि किसी भी ज्ञान को प्राप्त करने का केवल एक माध्मय उसका उस ज्ञान से कोई संबंध नहीं है । यदि ऐसा संभव होता तो जर्मनी, जापान, रूस, फ्रांस था जीन जैसे विकसित देश जहाँ अंग्रेजी भाषा का प्रयोग नहीं होता, केवल अपनी भाषा के बल पर तकनीक एवं विज्ञान के क्षेत्र में अपना बर्चस्व बनाएं हैं । इन्होंने दिखा दिया है कि तकनीक, ज्ञान एवं विज्ञान के दरवाजे किसी भी भाषा के लिए खुले हैं । ज्ञान-विज्ञान अंग्रेजी भाषा को मोहताज नहीं हैं । भारत के सन्दर्भ में यहाँ राजभाषा एवं मातृभाषा के संबंध में चर्चा आवश्यक हो जाता है । कोई भी भाषा या बोली यदि प्रचलन में न हो तो वह विलुप्त हो जाती है । इसलिए अपनी मातृभाषा का परस्पर-व्यवहार और अपनी राजभाषा का सतत प्रयोग आवश्यक है । पूर्व में भारत के प्रधानमंत्रियों ने वैज्ञानिकों से यह आह्वान किया था कि वे भारत जैसे प्रगतिशील देश की प्रगति में अपना योगदान दें । हमारे प्रधानमंत्रियों द्वारा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी की शिक्षा के प्रति छात्रों में रूचि पैदा करने पर भी बल दिया । अगर देखा जाए तो विज्ञान के क्षेत्र में भारत चीन जैसे देशों से पीछे हैं । परंतु गंभीरता से देखा जाय तो सिक्के का दूसरा पहलू भी है । भाषा की दृष्टि से देखें तो चीन ने यह तरक्की भाषा के

आँधियां और समुद्री लहरें भी सबसे योग्य नाविकों का साथ देती हैं.....गिबन

***

माध्यम से की है । केवल चीन ही नहीं बल्की विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में अमेरिका को टक्कर देने वाले जापान, जर्मनी, रूस एवं फ्रांस जैसे देश जिन्होंने अंग्रेजी से इतर अपनी-अपनी भाषाओं पर जोर दिया है, अंग्रेजी पर नहीं । ये देश अनुसंधान के क्षेत्र में देखा जाए तो भारत से कहीं आगे हैं । यहां पर विचारणीय है कि विज्ञान का पठन-पाठन तथा अनुसंधान का कार्य यदि केवल अंग्रेजी में संभव होता तो ये देश कभी विकसित देशों की श्रेणी में आते ही नहीं । इसका सीधा अर्थ है कि तकनीकी क्षेत्र के अनुसंधान, खोज तथा आविष्कार के लिए कोई भी भाषा माध्मय बन सकती है तो वह निश्चय ही अपने देश भाषा हिंदी ही बन सकती है, जो हमारे देश की राजभाषा, जनभाषा (lingua franca) एवं संपर्क भाषा भी है ।

भारत के संविधान के आठवीं अनुसूची में उल्लिखित 22 राष्ट्रीय भाषाएं हैं जो हमारे देश के विविध राज्यों के क्षेत्रीय भाषाएं भी हैं । इन भाषाओं के अतिरिक्त भी ऐसी कई भारतीय भाषाएं है जिन्हें संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने पर बल दिया जा रहा है । स्पष्ट हैं कि विश्व भर में आज 80 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं । हिंदी आज अन्तरराष्ट्रीय भाषा बनने की ओर अग्रसर है । यह कहना अथिशयोक्ति नहीं होगी कि हिंदी आज विश्व भाषा बन चुकी है । भारत वर्ष के सन्दर्भ में हिंदी आज स्व-शासन तथा सु-शासन का एक सशक्त माध्यम है ।

सेवा निवृत्ति एवं भावभीनी विदाई (30 दिसंबर 2023)

क्र.स.	नाम(सर्वश्री/श्रीमती)	पद/ट्रेड	वै.स./टिसं
1	राजीव द्विवेदी	क. का.प्रबंधक/एसजी	932304
2	लालजी	कार्यवेक्षक	835580
3	अवधेश कुमार	कार्यवेक्षक	835613
4	किशोर कुमार	कार्यवेक्षक	835571
5	सुबोध कु.बाजपेयी	कार्यवेक्षक	835609
6	एखलाक अली	टेलर/एमसीएम	8400/एल
7	दयाशंकर दूबे	टेलर/एमसीएम	8037/एल
8	रजनी त्रिवेदी	टेलर/एसएस	8726/एल

सेवा निवृत्त होने वाले विशिष्ट अथितियों के साथ
महाप्रबंधक श्री एमसी बालासुब्रमणियम

मुख्य संरक्षक	श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम, महाप्रबंधक	तकनीकी समीक्षा हेतु प्रकाशन बोर्ड के सदस्य	
संरक्षक	श्री एस बैनर्जी, संयुक्त महाप्रबंधक	श्री अभिषेक मिश्रा, टेलर/उकु-I/पी 5	सचिव
सह संरक्षक	श्री कोनन कु. टोप्पो, संयुक्त महप्रबंधक	श्रीमती वंदना वर्मा, टेलर/उकु I/पी3	सदस्य
मुख्य संपादक	श्री रुपेश कुमार, कार्यप्रबंधक	श्रीमती संगीता शाह, टेलर/उकु I/पी3	सदस्य
पत्रिका के निदेशक	श्री ओमेश सिन्हा, कार्यप्रबंधक	श्री आदित्य कुमार, टेलर/उकु I/पी4	सदस्य
प्रकाशन प्रबंधक	श्री अमर दीप कुमार, कार्यप्रबंधक	श्री प्रवीन मिश्रा, टेलर/उकु I/पी4	सदस्य
विषय-वस्तु प्रबंधक	श्री प्रियम सिंह, सहायक कार्यप्रबंधक	श्री तंजिदर सिंह, टेलर/उकु I/ पी5	सदस्य
	श्री के.डी. मिश्रा, क. का.प्रबंधक (एसजी)	श्री आशीष कुमार द्विवेदी, टेलर/उकु I/ पी2	सदस्य
	श्री परिवेश गुप्ता, जेटीओ	श्री कामिल खान, टेलर/उकु I/ पी6	सदस्य
कोषाध्यक्ष	श्री अमित कु.श्रीवास्तव, क. का.प्रबंधक (एसजी)	श्री सुशील गौतम टेलर/उकु I/ पी6	सदस्य
कॉलम संपादक	श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, परीक्षक	श्री अविनेश कु. दूबे टेलर/उकु I/क्यूसी(एम)	सदस्य
टीम ओपीएफ द्वारा प्रकाशित प्रतिबंधित वितरण हेतु		श्री रंजन उपाध्याय, यूडीसी/एचआरडी	सदस्य
		कु. रक्षा देवी, एलडीसी/एफएंडए	सदस्य

तुम्हारा विचार तभी तक तुम्हार है जब तक आप उसको प्रकट न करों...चाणक्य

***